Building Back Business from Crisis
MSME

दिशानिर्देश

व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य (OSH)

कार्यस्थल को कर्मचारियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ बनाएं ताकि आप उनकी कार्यक्षमता का उत्तम लाभ उठा सकें।

अपने व्यवसाय के उत्तम संचालन के लिए कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य का पूरा ख्याल रखें क्योंकि स्वस्थ लोग ज्यादा अच्छे उत्पादक होते हैं। अगर आप कर्मचारियों का ख्याल रखेंगे तो बदले में वो आपके प्रति निष्ठावान होंगे और इससे काम की गुणवत्ता भी बढ़ेगी। सबसे पहले कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के कदम उठाएं ताकि आप कर्मचारियों को होने वाले खतरे की समीक्षा कर सकें और खतरे को कम से कम करने के लिए कदम उठा पाएं।

पृष्ठभूमि

व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य (OHS) खासतौर पर कार्यस्थल पर मौजूद लोगों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में चिंता करता है। कानूनी तौर पर ये एक कर्मचारी का हक है और इसे सुनिश्चित करना मालिक की जिम्मेदार है। OHS का मतलब है कार्यस्थल पर स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रणाली कर्मचारियों, उनके परिवार, ग्राहकों और साझेदारों के लिए सुरक्षित बनाना। कंपनी की स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रणाली आपके व्यवसाय के लिए कई मायनों में फायदेमंद है। कार्यस्थल पर कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है जिससे काम की मात्रा और गुणवत्ता दोनों में सुधार आता है और अगर कर्मचारी खुद को कार्यस्थल पर सुरक्षित मानते हैं तो उनके छोड़कर जाने के आसार भी कम हो जाते हैं। कर्मचारी और उनका परिवार अगर स्वस्थ रहेगा तो आपको इससे फायदा है, आप काम के संचालन में लचीलापन ला सकते हैं।

भारत में कार्यस्थल पर सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर राष्ट्रीय नीति के तहत कुछ निर्देश दिए गए हैं:

1. कर्मचारियों के स्वास्थ्य का ख्याल रखें
2. बालश्रम को बढ़ावा न दें
3. पैसे की कमी का फायदा उठाते हुए लोगों से उनकी क्षमता और उम्र के हिसाब से ज्यादा काम नहीं करवाया जा सकता
4. काम करने के वातावरण और मैटरनिटी के लिए सही प्रबंध हो
5. कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए सरकार जरूरी कदम उठा सकती है

इन सिद्धांतों और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर सरकार व्यावसायिक गतिविधियों में स्वास्थ्य और सुरक्षा से संबंधित नियम कानून बनाने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि देश के कामगारों को स्वस्थ और सुरक्षित काम करने का वातावरण मिले

हर क्षेत्र का सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग कार्यस्थल पर स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए कानूनी और सैद्धांतिक तौर पर बाध्य होता है। प्रबंधन काम के दौरान पैदा होने वाले संभावित जोखिम की समीक्षा करना और उसका समाधान निकालने के लिए जिम्मेदार है। OHS कार्यस्थल दुर्घटना या ऐसे किसी खतरे की संभवना को कम करने पर भी जोर देता है

Building Back Business from Crisis

MSME

दिशानिर्देश

कुल मिलाकर बात ये है कि एक स्वस्थ और सुरक्षित काम करने के वातारवण से कर्मचारियों की क्षमता बढ़ेगी और इससे और भी अन्य कर्मचारी आपके साथ जुड़ना चाहेंगे। देखा जाए तो अपनी कार्यप्रणाली में OHS को शामिल करना बाध्यता तो है ही लेकिन इसके साथ साथ ये आपके व्यवसाय के लिए लाभकारी भी है। इस दौर में कई कंपनियों ने OHS को तरजीह देना शुरू कर दिया है क्योंकि इसके पालन से कम से कम दुर्घटनाएं होती हैं, कर्मचारियों की तबियत कम खराब होती है। ऐसे में उत्पादन और बेहतर होता है।

व्यापारिक स्वास्थ्य और सुरक्षा पर खर्च करके कंपनियों को काफी फायदा हो सकता है। छोटी-छोटी चीजों में सुधार करके आप प्रतिस्पर्धा और कंपनी के फायदे को प्राथमिकता देते हैं। साथ ही ये कर्मचारियों को प्रेरित करता है।

स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रबंधन (ISO 450012 के तहत) जो मानक तय किए गए हैं उसके पालन से दुर्घटना के आसार को कम से कम और कर्मचारियों के कम से कम बीमार पड़ने पर जोर दिया गया है। कई जानी-मानी कंपनियों के लिए समाज में उनकी प्रतिष्ठा काफी मायने रखती है। बड़ी कंपनियों से उम्मीद लगाई जाती है कि वो इन नियमों का अधिक से अधिक पालन करें ताकि काम करने में पारदर्शिता आए।

आपका व्यवसाय समाज पर आश्रित है और अब समाज इन खतरों से अच्छी तरह से वाकिफ है। ऐसे में कंपनियो को ये समझ आ गया है कि उन्हें अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव करने की जरूरत है और संचालन प्रक्रिया में OSH को मुख्य तौर पर जोड़ने की जरूरत है

दृष्टिकोण

एक सफल संस्थान ये समझता है कि काम के लिए अच्छे वातावरण का मतलब है खुशहाल और उत्पादक कर्मचारी। कार्यस्थल की अच्छी व्यवस्था को बढ़ावा देने और खामियों को कम करने में प्रबंधन को आगे बढ़कर काम करना चाहिए। आपको ये समझने की जरूरत है कि किसी शख्स के लिए उसका स्वस्थ रहना कितना जरूरी है?

उम्रदराज कर्मचारियों को फिट रहने की जरूरत है ताकि वो रिटायर होने के बाद एक खुशहाल जिंदगी जी पाएं।

युवाओं को स्वच्छ और स्वास्थ्य व्यवस्था के मानकों के बारे में ज्यादा जानकारी है और वो आपसे इनका पालन करने की उम्मीद करते हैं

शारीरिक और मानसिक तौर पर बीमारियों को रोका जा सकता है। कर्मचारियों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ न करें। जैसे तेज आवाज की वजह से सुनने की क्षमता पर असर, अस्थमा और कैंसर जैसी बीमारी, इत्यादि। कार्यस्थल पर ऐसा वातावरण बनाएं जिससे किसी को भी शारीरिक या मानसिक तौर पर ज्यादा दिक्कत न हो

कर्मचारी, मालिक और सरकार अब एक साथ इस सोच पर काम कर रहे हैं कि कार्यस्थल पर अच्छी व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था का मतलब है किसी भी शख्स को हानि न पहुंचे। हर एक शख्स का ये अधिकार है कि वो एक अच्छे वातावरण में काम करे। किसी को भी कार्यस्थल में किसी भी तरह के डर के साथ काम न करना पड़े। ऐसा न हो कि वो काम के दौरान इस बात से डर जाएं कि कहीं उन्हें चोट लग सकती है या उनकी तबियत खराब हो सकती है।

Building Back Business from Crisis

MSME

दिशानिर्देश

OSH उन सभी बिंदुओं पर निर्भर करता है जो एक शख्स के स्वास्थ्य और कल्याण संबंधित हो। इसके तहत बीमारी की रोकथाम और बचाव, खतरे को निर्धारित करके कम करना और एक काम के लिए अनुकूलित वातावरण बनाना है।
कोरोना महामारी की वजह से अब बीमारी के फैलाव को रोकने के प्रति सभी का ध्यान गया है। इसके लिए कार्यस्थल पर लोगों से कम से कम 6 फीट की दूरी बरकरार रखें, आमतौर पर बार बार छुए जाने वाली सतह को सैनिटाइज करें।

बीमारी की रोकथाम और बचाव

इसके लिए हेल्थ चेकअप, टीकाकरण, संक्रमण और बीमारी के उपचार के लिए रणनीति और योजना की आवश्यकता होती है और आपातकालीन योजना के साथ-साथ गैर-फार्मास्युटिकल उपायों का भी पालन करना होता है।

बीमारियां या स्वास्थ्य की दिक्कतें समाज में आम हैं, आपके कर्मचारियों में भी ये दिक्कतें आम हो सकती हैं और मुमकिन है कि आपके काम से जुड़ा भी न हो। OSH के जरिए जितना हो सकता है कर्मचारियों की बीमारियों के उपचार और उसकी रोकथाम को सुनिश्चित किया जाता है

बीमार कर्मचारियों को काम पर नहीं आना चाहिए, क्योंकि इससे बाकी कर्मचारियों में भी बीमारी फैलने का खतरा बढ़ जाता है। अगर वो ऐसी हालत में काम पर आते भी हैं तो वो ध्यान लगाकर काम नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से दुर्घटना का खतरा रहेगा और काम में गुणवत्ता भी नहीं आएगी। साथ ही स्वास्थ्य की नियमित जांच और अपने स्वास्थ्य की जानकारी खुद देने पर जोर डालना चाहिए। समय समय पर स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा चेकअप की सुविधा होनी चाहिए, कार्यस्थल पर थर्मल स्कैनर जैसी चीजों से लगातार जांच होती रहनी चाहिए और किसी भी बीमारी के लक्षण दिखने पर तुरंत उपचार करवाना चाहिए। कार्यस्थल पर एक ऐसी जगह की व्यवस्था भी होनी चाहिए जहां बीमार कर्मचारियों के आराम करने की व्यवस्था हो और उनकी देखभाल हो सके

व्यवसायों को टीबी, टाइफाइड, हेपटाइटस, मलेरिया इत्यादि जैसी संक्रामक बीमारियों की रोकथाम और इनसे संबंधित टीकाकरण की व्यवस्था करनी चाहिए। सबसे ज्यादा जरूरी है बिना दवाईयों के इन बीमारियों की रोकथाम की व्यवस्था

- कार्यस्थल, मशीन, उपकरण, दस्तावेज/बही-खाता, भंडार, इत्यादि की सफाई
- टॉयलेट और हाथ धोने की उत्तम व्यवस्था के साथ सफाई बरकरार रखने की जरूरत है, साथ ही खाना बनाने और खाने की जगह की स्वच्छता सुनिश्चित करें
- स्वच्छता के मानकों को पूरा करें, जरूरी जगहों पर साबुन, सैनिटाइजर, टिशू पेपर इत्यादि रखें
- स्वच्छता और सुरक्षा को बढ़ावा दें
- कर्मचारियों के लिए पीपीई किट, ग्लव्स, बूट, मास्क, इत्यादि की व्यवस्था करें

खतरे का अंदाजा लगाकर उसे कम करना

जोखिम को परखना और उसे कम करना कार्यस्थल पर दुर्घटना और कर्मचारियों को बीमार पड़ने से रोकने के लिए एक स्तंभ के समान है। इससे व्यावसायिक संचालन सुचारु होता है। इसकी शुरुआत कार्यस्थल पर खतरे का सही अनुमान लगाकर होती है।

Building Back Business from Crisis
MSME

दिशानिर्देश

सबसे पहले खतरे का पता लगाकर उसे कम से कम करें। खतरे को कम करने के लिए तकनीकी और ऑपरेशन तरीकों का इस्तेमाल करें और इसके बाद कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवा कर इसे सुनिश्चित करें

खतरा किसी वस्तु या परिस्थिति को कहते हैं जो आपको नुकसान पहुंचा सकता है। व्यावसायिक खतरा किसी ऐसी परिस्थिति को कह सकते हैं जो कार्यस्थल पर कर्मचारियों को चोट पहुंचा सकता है या इसकी वजह से जान-माल का नुकसान हो सकता है। व्यावसायिक खतरे को कम करने के लिए संचालन से संबंधित दिक्कतों को दूर करने की जरूरत है। व्यवसाय से जुड़े खतरे कई तरह के हो सकते हैं, जैस- रासायनिक पदार्थों का रिसाव। उपकरणों से जुड़े खतरे कई हो सकते हैं, जैसे- गर्म या ठंडे उपकरण, हाई/लो प्रैशर वाले उपकरण, भारी-भरकम चीजें या क्रेन इत्यादि।

जोखिम का अनुमान प्राथमिकता के आधार पर लगाना चाहिए- दुर्घटना की संभावना और उसका असर। ज्यादा जोखिम उसे कहते हैं जिसके होने की संभावना ज्यादा हो या फिर उसका असर बड़ा हो।

खतरे का प्रबंधन करके उन्हें कम से कम करने की जरूरत है। सबसे पहले खतरे को कम करें, इसके लिए सबसे पहले उपकरणों को जांचना जरूरी है। जैसे- उपकरणों पर जरूरी कवर डालना, बिजली से चलने वाले उपकरणों को इन्सूलेट करना, मशीन के संचालन को बेहतर करना। दूसरा है खतरे के असर को कम करना, इसके लिए कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाएं, या तो कार्यस्थल को इस हिसाब से बनाएं या फिर कर्मचारियों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण दें। तीसरी सबसे जरूरी चीज है आपातकाल के लिए तैयारी। आपातकाल में अपने कर्मचारियों और अपनी प्रॉपर्टी की सुरक्षा का इंतजाम करें। कार्यस्थल पर फर्स्ट ऐड किट तैयार रखें, अग्निशमन प्रणाली को मजबूत करें, रासायनिक पदार्थों का इस्तेमाल सावधानी से करें।

कुछ खास खतरों से निपटने के लिए कुछ आम तरीके निम्नलिखित हैं

आग से बचाव:

- आग, विस्फोट या किसी प्राकृतिक आपदा जैसे आपातकाल के लिए एक निर्धारित टीम बनाएं और समय समय पर उन्हें ट्रेनिंग दें
- आग से बवाच के लिए हर 6 महीने पर ग्रुप बनाकर ड्रिल करवाएं
- आपातकालीन स्थिति में ये सुनिश्चित करें कि मेडिकल सुविधा और संचार की सुविधा उपलबंध रहे
- इस बात को सुनिश्चित करें कि निर्धारित जगहों पर फायर अलार्म और फायर सेफ्टी किट मौजूद हो और आपातकालीन स्थिति के लिए बाहर जाने का रास्ता चिन्हित और सुचारु हो
- इस बात को सुनिश्चित करें कि आपके पास सही जगह के लिए सही अग्निशमन यंत्र मौजूद हो और उसके इस्तेमाल करने का तरीका साफ-साफ लिखा हो

दिशानिर्देश

- इस बात को सुनिश्चित करें कि आग की घटना के दौरान बाहर निकलने का रास्ता साफ साफ चिन्हित हो और बाहर निकलने के दिशानिर्देश हिंदी/अंग्रेजी और स्थानीय भाषा में लिखे हों
- फैक्ट्री में ज्वलनशील पदार्थ सुरक्षित जगह पर रखे हो

विद्युत से बचाव:

- ऊर्जा से चलने वाले यंत्र, जनरेटर और ट्रांसफार्मर सही तरीके से काम कर रहे हों
- बिजली से चलने वाली मशीनों की समय समय पर जांच करते रहें। टूटे हुए प्लग, सॉकेट, इत्यादि की मरम्मत करवाते रहें
- हर बिजली से चलने वाली मशीन में इंसुलेशन जरूरी है
- इस बात को सुनिश्चित करें कि इस तरह से उपकरण सिर्फ प्रशिक्षित मिस्त्री ही चलाएं
- हर मशीन पर उसे चलाने का सही तरीका और खतरे का निशान जरूर लगाएं

मशीन से बचाव:

- मशीन ऑपरेटर को मशीन चलाने का सही तरीका बताएं। उन्हें मशीन चलाते वक्त संभावित खतरे से भी अवगत करें
- प्लांट और मशीन का रखरखाव बेहद जरूरी है
- मशीन पर काम करने के लिए ऑपरेटर को उपयुक्त जगह दें
- ये काम सुपरवाइजर का है कि वो समय समय पर मशीन के हर पुर्जे को चेक करे कि वो सही तरीके से काम कर रहा है या नहीं
- मशीन चलाने के लिए बचाव के जरूरी उपकरणों को इस्तेमाल करने के तरीके के बारे में ऑपरेटर को अच्छे से बताएं
- मशीन पर जल्दी काम करने के चक्कर में ऑपरेटर जरूरी सुरक्षा से जुड़े उपकरणों का इस्तेमाल कर रहा है कि नहीं, ये सुनिश्चित करना भी सुपरवाइजर की ही जिम्मेदारी होती है
- मशीन ऑपरेटर्स को इस बात की छूट होनी चाहिए कि वो मशीन में आने वाली किसी भी दिक्कत के बारे में बताने से संकोच न करे
- इस बात को सुनिश्चित करें कि मशीन और उसके आसपास की जगह साफ हो। वहां तेल और ग्रीस लीक नहीं कर रही हो
- मशीनों के आसपास उसे इस्तेमाल करने का तरीका और संभावित खतरे के बारे में लिखा हो
- मशीन का आपातकालीन स्टॉप बटन काम कर रहा है या नहीं इसे भी सुनिश्चित करें

रसायनों से सुरक्षा:

- कर्मचारियों को इस बात की जानकारी जरूर दें कि वो जिन चीजों के साथ काम कर रहे हैं उनसे क्या खतरा पैदा हो सकता है और उसे सही तरीके से कैसे इस्तेमाल करें?
- कार्यस्थल पर मौजूद हर चीज के खतरे के बारे में जानने के लिए उसके अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा कार्ड (ICSC) की जांच करें या उस पर लगा चिन्ह देखें

दिशानिर्देश

- कर्मचारियों को बताएं कि वो जिन हालात में काम कर रहे हैं उससे क्या खतरा हो सकता है और उससे बचाव का तरीका क्या है?
- इस बात को सुनिश्चित करें कि कर्मचारी सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल कर रहे हैं या नहीं
- रसायनों का सुरक्षित तरीके से स्टोर या डिस्पोज करने का इंतजाम करें

काम करने का वातावरण

सुरक्षा के इस स्तंभ में हम बात करेंगे, काम करने के वातावरण के बारे में जिससे कर्मचारियों के तनाव को कम से कम किया जाएगा। इसके लिए ऐसी चीजों पर जोर दिया जाएगा जो कर्मचारियों पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं या फिर लंबे समय में उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है। तनाव की वजह से काम में एकाग्रता नहीं बन पाती है जिससे उत्पादन कम होता है और उत्पाद की गुणवत्ता पर भी बुरा असर पड़ता है। काम में एकाग्रता की कमी से दुर्घटना का खतरा भी रहता है। तनाव के कारक भौतिक और मानसिक दोनों होते हैं। तनाव को कम से कम करना कर्मचारियों और मालिक दोनों की जिम्मेदारी है

कार्यस्थल पर कर्मचारियों की सलामती के कई मायने होते हैं जो हर देश और हर संस्था के साथ बदलते हैं। यह जटिल सांस्कृतिक और सामाजिक मान्यताओं, दृष्टिकोण, बाधाओं और सामाजिक प्रणालियों से प्रभावित हो सकता है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संघ (ILO) के मुताबिक, "कार्यस्थल पर कर्मचारी की सलामती से मतलब है- कर्मचारी के काम का प्रारूप, कार्यस्थल का भौतिक वातावरण, कर्मचारी अपने काम के बारे में क्या विचार रखता है और किस परिस्थिति में काम करता है? कार्यस्थल पर कर्मचारी की सलामती के लिए ही व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के इंतजाम की जरूरत है ताकि कर्मचारी सुरक्षित महसूस करें। एक व्यवसाय को सुचारु रूप से चलाने के लिए उसके कर्मचारियों का सुरक्षित और स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। कई शोधों में भी इसकी पुष्टि होती है कि कर्मचारियों का स्वास्थ्य और उत्पादन दोनों एक-दूसरे पर निर्धारित हैं।

कार्यस्थल के भौतिक वातावरण में कई चीजों से असर पड़ता है:

तापमान:

- कार्यस्थल पर स्वच्छ हवा के संचालन की सुविधा उपलब्ध करवाएं
- पीने और काम के लिए इस्तेमाल होने वाले पानी की उत्तम व्यवस्था हो

व्यवस्था:

- आने-जाने के रास्ते और काम करने की जगह को अच्छे से चिन्हित करें ताकि काम करते वक्त कोई रुकावट न आए
- इस बात को सुनिश्चित करें कि भारी सामान को उठाने के लिए वर्कर को मशीन की मदद मिले
- कर्मचारियों को मशीन चलाते वक्त खुली जगह दें ताकि वो अपने हिसाब से हिल सके या उठ/बैठ सके
- इस बात को सुनिश्चित करें कि हर वर्कर को मशीन चलाने की सही ट्रेनिंग दी गई है या नहीं
- कर्मचारी थक न जाएं इसके लिए उन्हें बीच बीच में ब्रेक दें। इससे उनकी कार्यक्षमता और काम की गुणवत्ता बढ़ेगी

दिशानिर्देश

- काम करते वक्त जरूरत पड़ने पर इधर-उधर न भागना पड़े इसलिए हर वर्कस्टेशन पर सीढ़ियों और गाडरेल की व्यवस्था करें

शोर:

- फैक्ट्री में पैदा होने वाले शोर को नापें, और कर्मचारियों को इससे होने वाले खतरे और बचाव के तरीकों की जानकारी दें
- कर्मचारियों को ध्वनि प्रदूषण के बारे में समझाएं
- ध्वनि प्रदूषण को कम से कम करने के जरिए तलाश करें। अनावश्यक आवाज करने वाली चीजों की पहचान करें
- शोर को कम से कम दूरी तक रोकने की कोशिश करें
- मशानों के लूज कवर, ढीले उपकरणों को ठीक करके अनावश्यक शोर को कम करें
- अनावश्यक कर्मचारियों को काम पर न बुलाएं ताकि कम से कम कर्मचारियों को शोर में रहना पड़े
- इस बात को सुनिश्चित करें कि एक कर्मचारी ज्यादा देर तक शोर में काम न करें
- फैक्ट्री में जिस जगह पर ज्यादा शोर हो रहा है वहां शील्ड जरूर लगाएं ताकि आवाज बाहर न आ सके

कर्मचारियों का स्वास्थ्य और कल्याण

- कर्मचारियों की समय समय पर जांच, उचित स्वास्थ्य सेवा और उनके लिए फर्स्ट ऐड किट की व्यवस्था करें
- फर्स्ट ऐड किट के इस्तेमाल के लिए एक प्रशिक्षित व्यक्ति को रखें
- कर्मचारियों को फर्स्ट ऐड कोर्स के लिए प्रेरित करें
- किसी भी तरह की दुर्घटना होने पर जनरल लेबर लॉ के तहत घटना की जांच करें और कर्मचारी को उचित स्वास्थ्य सेवा और मुआवजा दें
- कार्यस्थल पर पीने के पानी की उचित व्यवस्था करें
- कार्यस्थल पर खाने और आराम करने की जगह का होना भी जरूरी है
- महिलाओं और पुरुषों के लिए पर्याप्त टॉयलेट उपलब्ध हो

कार्यस्थल पर स्वास्थ्य और सुरक्षा व्यवस्था की रणनीति

कार्यस्थल पर स्वास्थय और सुरक्षा की व्यवस्था कर्मचारियों और मालिक के साझा प्रयास से ही मुमकिन है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपने शोध में एक सुरक्षित कार्यस्थल के लिए निम्नलिखित रणनीतियों को चिन्हित किया है।

मूल रूप से, एक स्वस्थ कार्यस्थल नैतिकता और मूल्यों के साथ शुरू होता है जहां सुरक्षा, स्वास्थ्य और सलामती अहम है और कर्मचारियों के लिए खतरे कम से कम करना जरूरी है। कर्मचारी और मालिक दोनों को इसके सिद्धांतो को पहचानने की जरूरत है।

Building Back Business from Crisis
MSME

दिशानिर्देश

प्रबंधन प्रणाली के प्रदर्शन को सुधारना प्रबंधन की प्रक्रियाओं पर निर्भर करता है, जैसे एकजुटता से चलना, प्रतिबद्ध रहना, संसाधनों का संयोजन, कार्यस्थल का मूल्यांकन, स्वास्थ्य और जोखिम कारकों को चिन्हित करना, कटौती और प्रबंधन की पहल की योजना। इन सभी चीजों का निष्पादन और मूल्यांकन करना और प्रबंधन प्रणाली में समीक्षा करना भी जरूरी है।

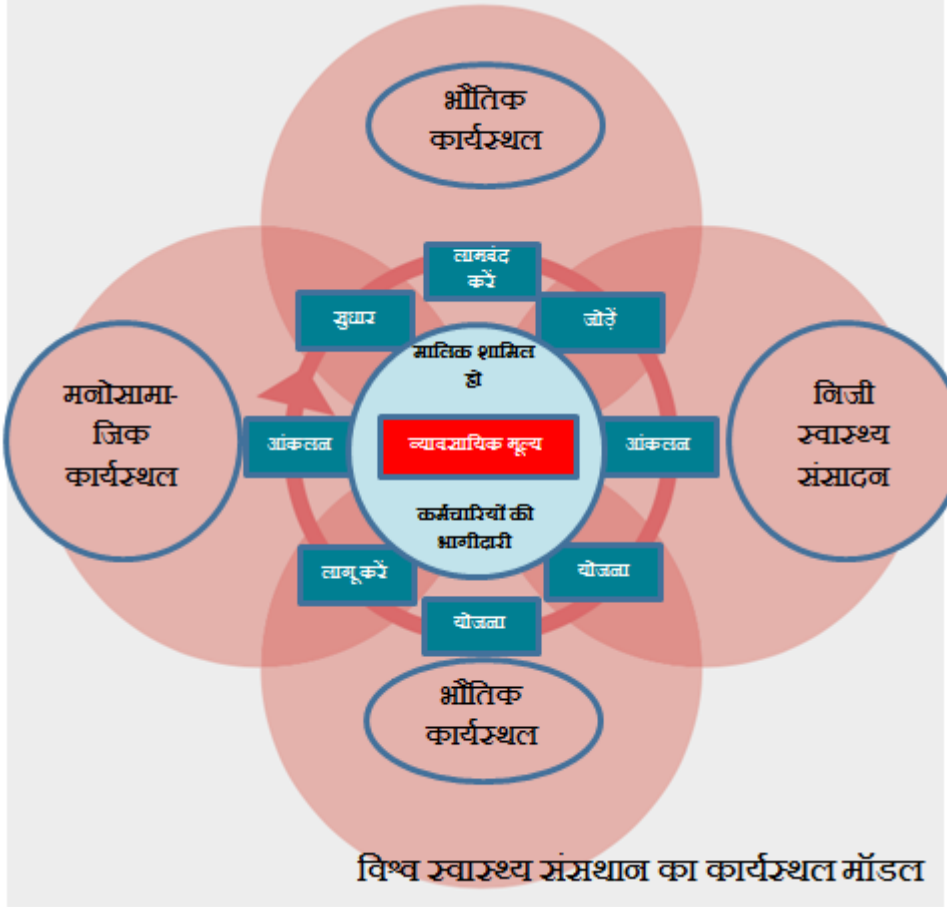

विश्व स्वास्थ्य संसथान का कार्यस्थल मॉडल

ISO 45001: व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा (OHS) प्रबंधन प्रणाली

ISO 45001 (2018), ये व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा पर नया वैश्विक प्रबंधन प्रणाली मानक है। शारीरिक, मानसिक और संज्ञानात्मक स्वास्थ्य को इसके मुख्य भाग में रखा गया है, जो सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाता है। मानक यह दर्शाता है कि व्यावसायिक स्वास्थ्य को बिगड़ने से पहले ही सुधार लेना चाहिए, यह श्रमिकों और संगठन के लिए फायदे का सौदा है। ISO 45001 में खतरों की पहचान और उनका नियंत्रण करना आवश्यक है। इसके अलावा अन्य खतरों से उत्पन्न होने वाली दिक्कतें जैसे रासायनिक या जैविक और भौतिक/एर्गोनॉमिक्स। इसके अलावा, इच्छुक दलों की जरूरतों और अपेक्षाओं पर विचार किया जाना चाहिए, जो कि सारांश के अनुसार है।

Building Back Business from Crisis

MSME

दिशानिर्देश

ISO 45001 में विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्वस्थ कार्यस्थल मॉडल में निहित सिद्धांतों को शामिल किया गया, यानी कि और प्रभावी व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली की आवश्यकता है:

- नेतृत्व की प्रतिबद्धता
- श्रमिकों का समावेश
- कानूनी और अन्य आवश्यकताओं का अनुपालन
- व्यापक प्रक्रियाओं ने लगातार सुधार पर ध्यान केंद्रित किया
- व्यवसाय की समग्र रणनीतिक दिशा के साथ एकीकरण

कुल मिलाकर देखा जाए तो सिस्टम की रूपरेखा के समग्र प्रबंधन में ISO 45001 संगठनों को अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए एक साहसिक प्रतिबद्धता प्रदान करने का विकल्प प्रदान करता है, चाहे वह महामारी हो या सामान्य स्थिति में हो। प्रबंधन प्रणाली संतुष्टि कर्मचारी, बाजार और हितधारकों के संबंधों और कम देनदारियों के संदर्भ में सकारात्मकता के साथ वास्तव में दक्षता और OHS प्रणाली के प्रदर्शन में सुधार करने के लिए व्यवस्थित अनुवर्ती की अनुमति देती है।